C-3

I

M.R. Ansari

ADVANCE ORGANISER MODEL
(अग्रिम संगठन प्रतिमान)

=> अग्रिम संगठन प्रतिमान के प्रतिपादक "डेविड आसुबेल" (डेविड पी० आसुबेल) (U.S.A.) है।

=> डेविड आसुबेल ने अपनी पुस्तक Educational Psychology cognitive vew-1968 में अग्रिम संगठन प्रतिमान का चर्चा किया था।

=> A.O.M का आधार सार्थक मौखिक अधिगम / सार्थक शाब्दिक अधिगम सिद्धान्त है। (meaningful verbal Learning)

अग्रिम संगठक (Advance organiser) → इसमें ऐसी महत्वपूर्ण अधिगम सामग्री होती है, जिसे अध्यापक को वास्तविक पाठ शिक्षण से पहले करना चाहिए। ताकि छात्र शिक्षण के दौरान अच्छे से समझ सकें।

STEPS OF A.O.M

① उद्देश्य (objective)

② संरचना (Structure)

③ सामाजिक प्रणाली (Social system)

④ मूल्यांकन (Evaluation)

(1) उद्देश्य (Objective)

⇒ तथ्यों, सूचनाओं व प्रत्ययों का ज्ञान करवाना व विषय वस्तु का अर्थ स्पष्ट करना, ज्ञानात्मक कौशल का विकास।

(2) संरचना (Structure)

- (i) विषय वस्तु की सामान्य जानकारी (अग्रिम संगठन)
- (ii) क्रियाओं को विशिष्ट रूप में प्रस्तुत करना (अधिगम सामग्री)

[3] सामाजिक प्रणाली (Social System)

- अध्यापक → Active होता है
- छात्र → केवल श्रोता

[4] मूल्यांकन (Evaluation)

⇒ लिखित व मौखिक परीक्षाएं

M.R. Ansari

M.R. Ansari

III C-3

Characteristics of Advance Organizer Model
अग्रिम संगठन प्रतिमान की विशेषताएँ

⇒ अग्रिम संगठन प्रतिमान का केन्द्र बिन्दु या प्रमुख उद्देश्य - तथ्यों एवं सम्प्रत्ययों (concept) का अवबोध कराना (sense)

⇒ अग्रिम संगठन प्रतिमान सार्थक मौखिक अधिगम सिद्धान्त पर आधारित है।

⇒ अग्रिम संगठन प्रतिमान सूचना प्रक्रिया सिद्धान्त पर आधारित है।

⇒ अग्रिम संगठन प्रतिमान का प्रयोग ज्ञानात्मक पक्ष के उच्चस्तरीय उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु समस्या-समाधान के रूप में किया जाता है।

⇒ अग्रिम संगठन प्रतिमान विषय के अमूर्त सम्प्रत्ययों के अध्यापन हेतु उपयुक्त है।

⇒ अग्रिम संगठन प्रतिमान में अधिगम प्रक्रिया निगमनात्मक तरीके से चलती है।
Deductive methods

M.R. Ansari

IV C-4

Expt. No. / Name : Date / / Page No.

M.R. Ansari

Objective of Advance Organizer Model

अग्रिम संगठन प्रतिमान के उद्देश्य

⇒ तथ्यों एवं सम्प्रत्ययों का अवबोध (sense) कराना।

⇒ ज्ञान पुँज में सम्बन्ध स्थापित करना। (ज्ञानात्मक पक्ष)

⇒ छात्रों की संज्ञानात्मक संरचना को मजबूत करना।

⇒ पाठ्यवस्तु को सरल, रोचक एवं सार्थक बनाना।

डेविड आशुबेल द्वारा बताये गये अधिगम के प्रकार

(1) अभिग्रहण द्वारा सीखना

(2) अर्थपूर्ण सीखना — अर्थपूर्ण सीखना में समस्या का समाधान निहित है

(3) रटकर सीखना

(4) अन्वेषण (Exploration) द्वारा सीखना या खोजपूर्ण सीखना

Teacher's Signature : M.R. Ansari